ગુજરાત શૈક્ષણિક સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ, ગાંધીનગરના પત્ર-ક્રમાંક
જીસીઈઆટી/સી એન્ડ ઈ / 2014 / 2222, તા. 3-2-2014 - થી મંજૂર

शिक्षक एवं अभिभावक के लिए
अलग से शिक्षक-आवृत्ति
का निर्माण किया गया है,
उसका अवश्य उपयोग कीजिए ।

हिन्दी

कक्षा 5

(द्वितीय भाषा)

(प्रथम सत्र-द्वितीय सत्र)

प्रतिज्ञापत्र

भारत मेरा देश है।
सभी भारतवासी मेरे भाई-बहन हैं।
मुझे अपने देश से प्यार है और इसकी समृद्धि तथा बहुविध परम्परा पर गर्व है।
मैं हमेशा इसके योग्य बनने का प्रयत्न करता रहूँगा।
मैं अपने माता-पिता, अध्यापकों और सभी बड़ों की इज्जत करूँगा एवं हर एक से नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा।
मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश और देशवासियों के प्रति एकनिष्ठ रहूँगा।
उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

રાજ્ય સરકારની વિનામૂલ્યે યોજના હેઠળનું પુસ્તક

વિદ્યાર્થીનું નામ : _____

શાળાનું નામ : _____

વર્ગ : _____ રોલ નંબર : _____

ગુજરાત રાજ્ય શાળા પાઠ્યપુસ્તક મંડળ
'વિદ્યાયન', સેક્ટર 10-એ, ગાંધીનગર-382 010

© गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, गांधीनगर
इस पाठ्यपुस्तक के सर्वाधिकार गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के अधीन हैं।
इस पाठ्यपुस्तक का कोई भी अंश, किसी भी रूप में गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के नियामक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

लेखन-सपादन (SRG)

डॉ. संजय तलसाणिया	श्री अश्विन पटेल
श्री रेवाभाई प्रजापति	श्री सुभाष पटेल
श्री नुरोद्दीन शाह	श्री हितेश नायक
श्री रमेश परमार	श्री दीक्षिता ठक्कर
श्री मीनाबहेन कापडी	डॉ. भगवानभाई पटेल
श्री मंगलभाई गोहिल	श्री नीलेश वाघेला
श्री गोविंदभाई रोहित	श्री घनश्यामसिंह महिडा
श्री असलमशा फकीर	श्री रमणभाई परमार
श्री झनुभाई संगाड़ा	श्री इन्दुबहन कलसालिया
श्री पारूल पंड्या	श्री पारूल भावसार

समीक्षा

डॉ. रवीन्द्र अंधारिया	श्री रणजीतसिंह पवार
श्री महेशभाई उपाध्याय	डॉ. मोना दवे
श्री राजेशसिंह क्षत्रिय	श्री केशा तिवारी
श्री विजय तिवारी	

चित्रांकन

श्री भरत अग्रावत	श्री हितेश पटेल
श्री जे. बी. पटेल	श्री विजय पटेल
श्री अंकुर सूचक	शिल्प ग्राफ्रिक्स

संयोजन

डॉ. कमलेश एन. परमार
(विषय-संयोजक : हिन्दी)

निर्माण-आयोजन

श्री हरेन पी. शाह
(नायब नियामक : शैक्षणिक)

मुद्रण-आयोजन

श्री हरेश एस. लीम्बाचीया
(नायब नियामक : उत्पादन)

प्रस्तावना

NCF - 2005 एवं RTE-2009 को केन्द्र में रखते हुए देश में प्राथमिक शिक्षा के अभ्यासक्रम, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक साथ-साथ शिक्षा की समग्र प्रक्रिया में बदलाव हो रहा है। यह बदलाव मुख्यत: विषयवस्तु और शिक्षा प्रक्रिया की हमारी समझ के बारे में है। छात्रों में सर्जनशक्ति, विचारशक्ति, तर्कशक्ति और पृथक्करण करने का कौशल्य विकसित हो और इसके तहत् छात्रों का सर्वांगीण विकास हो यही नई पाठ्य-चर्या के मूल उद्देश्य हैं इस अभिगम को केन्द्र में रखकर जी.सी.ई.आर.टी. गांधीनगर के तत्त्वधान में तैयार की गई कक्षा 5 हिन्दी (द्वितीय भाषा) का यह पाठ्यपुस्तक छात्रों, अध्यापकों एवं अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए पाठ्यपुस्तक मंडल आनंद का अनुभव करता है।

नया अभ्यासक्रम, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक निर्माण की प्रक्रिया में IGNUS-erg टीम के सदस्यों का मार्गदर्शन मिलने के कारण स्टेट रिसोर्स ग्रुप के सदस्यों को विषय सज्जता मिली है। UNICEF का सहयोग भी इस पूरी प्रक्रिया के दौरान मिला है। हिन्दी विषय के कोर ग्रुप के सदस्यों का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है।

इस पाठ्यपुस्तक को समग्र राज्य में अमल करने से पहले पसंदगी प्राप्त इस स्तर की पाठशालाओं में तीन साल तक आज़मायशी तौर पर रखा गया था। इसी दौरान वर्ग शिक्षाकार्य में जो अनुभव प्राप्त हुए उनके व्यापक सुझाव गुजरात शैक्षिक संशोधन एवं तालीम परिषद् द्वारा प्राप्त किये गये। तद्अनुसार पाण्डुलिपि में आवश्यक बदलाव किया गया।

इस पाठ्यपुस्तक का समग्र राज्यव्यापी अमल के पूर्व पाठ्यपुस्तक मंडल द्वारा आमंत्रित विशेषज्ञों और पाठ्यपुस्तक तैयार करनेवाले जी.सी.ई.आर.टी. के SRG विशेषज्ञों की संयुक्त बैठक बुलाकर उनके भी सुझावों को ध्यान में लेकर इस पाठ्यपुस्तक को आखरी स्वरूप दिया गया है।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक को गुणवत्तायुक्त तथा छात्रभोग्य बनाने के लिए भरसक प्रयत्न किया गया है। अपने चतुरंगी स्वरूप के कारण छात्रों को विशेष तौर पर रसप्रद लगे, ऐसा लक्ष्य की रखा गया है।

इस पाठ्यपुस्तक को क्षतिरहित बनाने के लिए पूर्णत: प्रयत्न किये गए हैं, फिर भी शिक्षा कार्य में रुचि रखनेवाले व्यक्तियों से इस पाठ्यपुस्तक को असरकारक बनानेवाले सुझाव सदैव आवकार्य हैं। द्वितीय संस्करण का यह पुन: मुद्रित रुप है ।

डॉ. टी.एस.जोषी	पी. भारती (IAS)	
निदेशक	नियामक	कार्यवाहक प्रमुख
जीसीईआरटी	पाठ्यपुस्तक मंडल	पाठ्यपुस्तक मंडल
गांधीनगर	गांधीनगर	गांधीनगर

दिनांक : 04-11-2019

प्रथम संस्करण : २०१४, पुन: मुद्रण: २०१५, २०१६, २०१७, २०१८, २०१९, २०२०

प्रकाशक : गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन', सेक्टर 10-ए, गांधीनगर की ओर से पी. भारती, नियामक

मुद्रक :

मूल कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –*

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले ;

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, तो वह छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, बालक या प्रतिपाल्य के लिए यथास्थिति,शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

*भारत का संविधान : अनुच्छेद 51-क

अनुक्रमणिका

J5C8U7

क्रम	इकाई	साहित्य-स्वरूप	पृष्ठ-क्रमांक
	(प्रथम सत्र)		
1.	यातायात (चित्रपाठ)	-	01
2.	गिनती (२१ से ५०)	-	09
3.	नन्हा मुन्ना राही हूँ	कविता	14
4.	सोच अपनी-अपनी	-	20
■	पुनरावर्तन : 1	-	25
5.	चिड़ियाघर की सैर	-	28
6.	हँसी का पिटारा	चुटकुले	35
7.	खाना खज़ाना (चित्रपाठ)	-	38
8.	भरत मिलाप	एकांकी	44
■	पुनरावर्तन : 2	-	53
■	कसौटी	-	57
	(द्वितीय सत्र)		
9.	कैसा शोर ?	चित्र-कथा	62
10.	सीखो	कविता	70
11.	सच्चा बालक	जीवन-प्रसंग	75
12.	दुमदुमा गाँव के बच्चे	कहानी	80
■	पुनरावर्तन :3	-	88
13.	स्वच्छता	निबंध	91
14.	हम भारत की शान हैं !	कविता	97
15.	खरगोश और हाथी	चित्र-कथा	100
16.	पहेलियाँ	पहेलियाँ	106
■	पुनरावर्तन:4	-	109

F1U5I7

1 यातायात (चित्रपाठ)

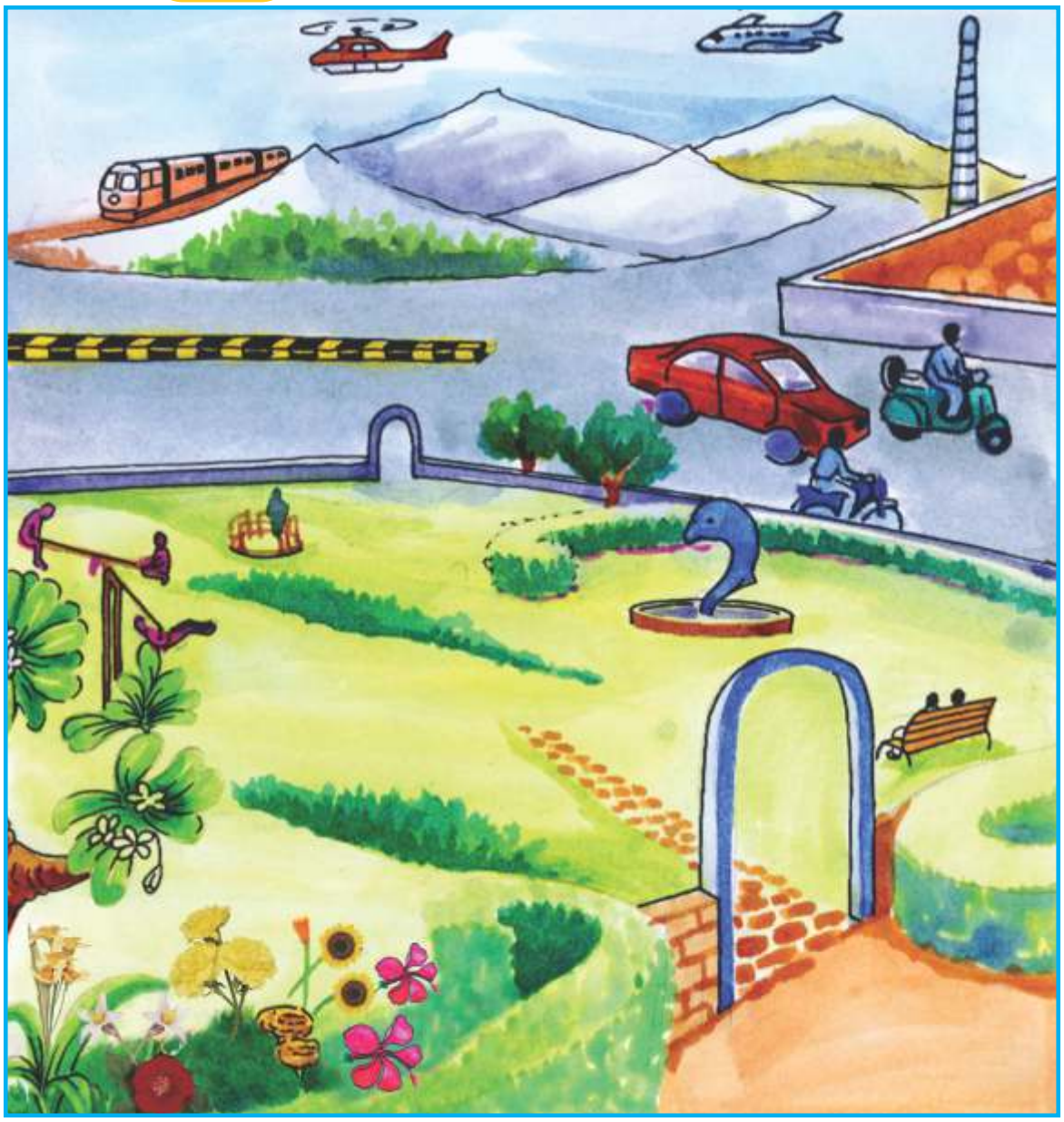

अभ्यास

1. चित्र देखकर फूलों के नाम की सूची बनाइए।
2. चित्र में नहीं हैं, ऐसे फूलों की सूची बनाइए।

3. चित्र देखकर यातायात के साधनों की सूची बनाइए।

4. उन यातायात के साधनों के नाम बताइए जो चित्र में नहीं हैं।

5. आपने जिन यातायात के साधनों के नाम लिखे हैं, उन्हें नीचे दी गई तालिका में वर्गीकृत कीजिए :

तालिका - 1

दो पहियोंवाले	तीन पहियोंवाले	चार पहियोंवाले	चार से अधिक पहियोंवाले

तालिका - 2

सड़क पर चलने वाले यातायात के साधन	हवा में उड़ने वाले यातायात के साधन	पानी में चलने वाले यातायात के साधन

6. नीचे दिए गए टिकट का चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

G.S.R.T.C.
IDER DEPOT
No : 008720 17/10/11
05:01:09
HADAD CHILODA
TOT. DISTANCE : 135 KMS
GUJARAT FARE : 90.00
TOLL : 1.00 INS : 0.00 HR : 0.00
FULL : 1 X 91.00 = 91.00
Rs. 91.00
031811 333 DD 481069421
NOT TRANSFERABLE

(1) यह क्या है?

(2) बस का टिकट कहाँ से कहाँ तक का है?

(3) रेलवे का टिकट कहाँ से कहाँ तक का है?

(4) बस के टिकट में किराया कितना लिखा है?

(5) रेलवे का टिकट पढ़कर किराया बताइए।

(6) रेलवे टिकट का दिनांक बताइए।

(7) बस और रेल के अलावा कहाँ-कहाँ टिकट लगता है?

7. नीचे दिए गए चित्र का अवलोकन करके भेद स्पष्ट कीजिए :

चित्र 1

चित्र 2

H2J5Z4

स्वाध्याय

1. तुम किस प्रकार जाते हो ?

(1) मामा के घर _____

(2) सिनेमा देखने _____

(3) स्कूल _____

(4) बाजार _____

2. तुमने इनमें से किसकी सवारी की है? अगर 'हाँ' तो (✔) 'ना' तो (✘) का निशान लगाओ :

सवारी	मैंने सवारी की है।

3. पढ़िए, समझिए और (✔) का निशान लगाइए :

सवारी	टिकट लगेगा	पैसा लगेगा	मुफ्त

4. निम्नांकित फूलों के नाम लिखिए :

5. निम्नलिखित चित्रों के आधार पर कहानी लिखिए :

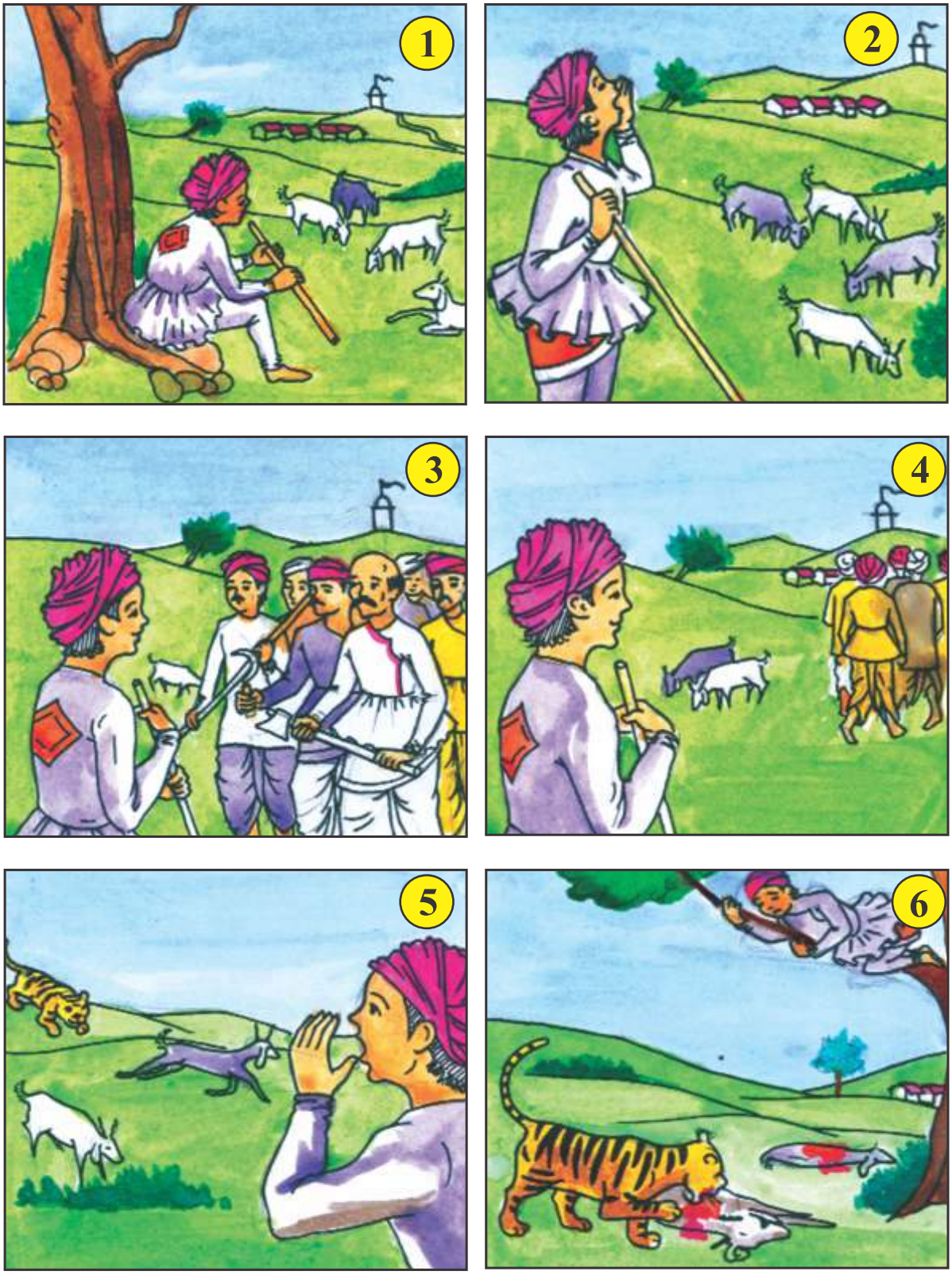

6. मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

(1) कमल हमारा राष्ट्रीय फूल है।

(2) मधुमक्खियाँ फूल पर बैठती हैं।

(3) मुझे बैलगाड़ी में बैठना पसंद है।

(4) ऑटोरिक्शा के तीन पहिए होते हैं।

योग्यता-विस्तार

इतना जानिए

સાઇકલ	–	साइकिल	સ્કૂટર	–	स्कूटर
રિક્ષા	–	रिक्शा	બસ	–	बस
ટ્રેન	–	ट्रेन	હેલિકૉપ્ટર	–	हेलीकॉप्टर
વિમાન	–	विमान	જહાજ	–	जहाज़
સ્ટીમર	–	स्टीमर	ગાડી	–	कार
બળદગાડુ	–	बैलगाड़ी	ઊંટગાડી	–	ऊँटगाड़ी
ઘોડાગાડી	–	घोडागाड़ी, ताँगा	મોટરસાઇકલ	–	मोटरसाइकिल

D3H3H4

2 गिनती (२१ से ५०)

➧ पढ़िए, समझिए और लिखिए :

जैसे : १ <u>१</u> एक <u>एक</u>

१		एक		११		ग्यारह	
२		दो		१२		बारह	
३		तीन		१३		तेरह	
४		चार		१४		चौदह	
५		पाँच		१५		पन्द्रह	
६		छः		१६		सोलह	
७		सात		१७		सत्रह	
८		आठ		१८		अठारह	
९		नौ		१९		उन्नीस	
१०		दस		२०		बीस	

➧ पढ़िए, समझिए, बोलिए और लिखिए :

जैसे : २१ २१ इक्कीस इक्कीस

२१		इक्कीस		३६		छत्तीस	
२२		बाईस		३७		सैंतीस	
२३		तेईस		३८		अड़तीस	
२४		चौबीस		३९		उनतालीस	
२५		पच्चीस		४०		चालीस	
२६		छब्बीस		४१		इकतालीस	
२७		सत्ताईस		४२		बयालीस	
२८		अट्ठाईस		४३		तैंतालीस	
२९		उनतीस		४४		चवालीस	
३०		तीस		४५		पैंतालीस	
३१		इकतीस		४६		छियालीस	
३२		बत्तीस		४७		सैंतालीस	
३३		तैंतीस		४८		अड़तालीस	
३४		चौंतीस		४९		उनचास	
३५		पैंतीस		५०		पचास	

अभ्यास

1. इक्कीस से पचास तक की गिनती को क्रमिक मिलाकर चित्र बनाइए :

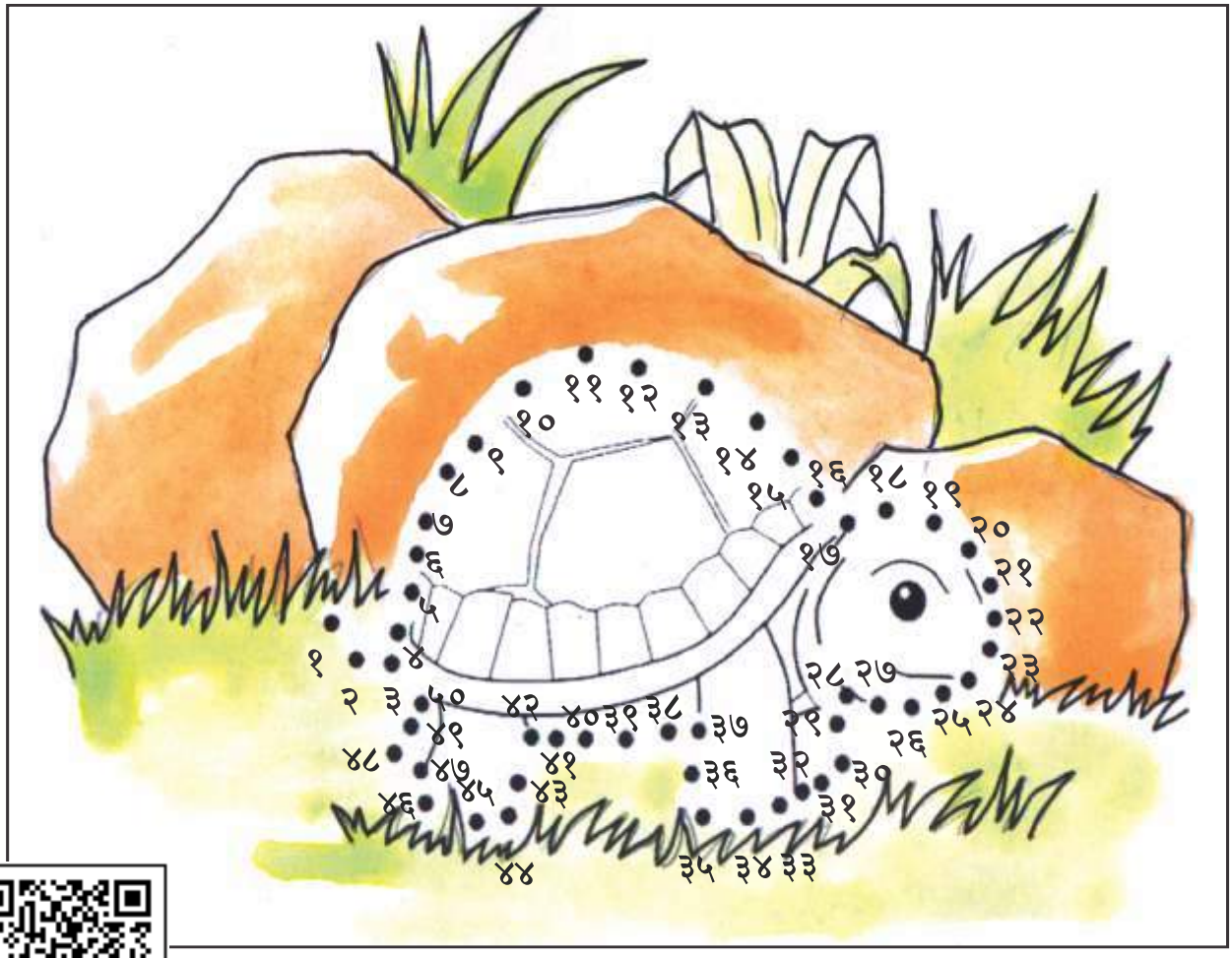

L5D8U3

स्वाध्याय

1. अंकों में लिखिए :

बाईस _____	सैंतीस _____	छियालीस _____
उनतीस _____	पच्चीस _____	अट्ठाईस _____
अड़तालीस _____	इकतीस _____	तैंतीस _____
चवालीस _____	पचास _____	बयालीस _____

2. सही जोड़े मिलाइए :

अ		ब
☐	४१	(क) पैंतालीस
☐	४५	(ड) छब्बीस
☐	४८	(इ) अड़तालीस
☐	२६	(ई) उनचास
☐	४९	(उ) इकतालीस

3. आओ, खेलें खेल :

माचिस की तीन खाली डिब्बियों को एक के ऊपर एक रखते हुए आपस में चिपका लें। उस पर रंगीन कागज़ चिपकाकर छः तक गिनती लिखें। पासा तैयार है। अब इस पासे से खेलिए और गिनती का अभ्यास करते जाइए।

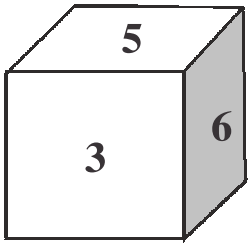

५० पचास हुर्रे ! जीत गए।	**४९ उनचास** मेढक की चाल चलो।	**४८ अड़तालीस** नहाने का अभिनय करो।	**४७ सैंतालीस** आपके भाई को कौन-सी मिठाई पसंद है?	**४६ छियालीस** यातायात के तीन साधनों के नाम बोलो।
४१ इकतालीस तीन अंक नीचे चले जाओ।	**४२ बयालीस** घोड़ागाड़ी चलाने का अभिनय करो।	**४३ तैंतालीस** 'र' से बननेवाले दो शब्द बताओ।	**४४ चवालीस** 'ए' की आवाज़ निकालो।	**४५ पैंतालीस** फूल सूँघने का अभिनय करो।
४० चालीस फिर से बारी लो।	**३९ उनचालीस** 'म' से बननेवाले दो शब्द बताओ।	**३८ अड़तीस** कहानी सुनाओ।	**३७ सैंतीस** तीन अंक आगे चलो।	**३६ छत्तीस** बीस चुटकियाँ बजाओ।
३१ इकतीस एक कदम ऊपर जाओ।	**३२ बत्तीस** मोर की आवाज़ निकालो।	**३३ तैंतीस** दोनों हाथों की ऊँगलियाँ गिनकर दिखाओ।	**३४ चौंतीस** एक अच्छा चुटकुला सुनाओ।	**३५ पैंतीस** घर का चित्र बनाओ।
३० तीस फिर से बारी लो।	**२९ उनतीस** ३९ पर जाओ।	**२८ अट्ठाईस** अपने दोस्त का नाम बताओ।	**२७ सत्ताईस** 'प' से बननेवाले दो शब्द बताओ।	**२६ छब्बीस** दो अंक पीछे चले जाओ।
२१ इक्कीस जोर से मुस्कुराओ।	**२२ बाईस** दो कदम आगे चलो।	**२३ तेईस** तीन ताली बजाओ।	**२४ चौबीस** केला खाने का अभिनय करो।	**२५ पच्चीस** कोयल की आवाज़ निकालो।

3 नन्हा मुन्ना राही हूँ

X7Q1L9

– शकील बदायुँनी

इस गीत में बाल सैनिक देश को आगे बढ़ाने की भावना व्यक्त करता है। उसकी इच्छा है कि आगे बढ़ते वक्त चाहे कितनी ही बाधाओं का सामना करना पड़े फिर भी मंज़िल प्राप्त न हो तब तक वह डटकर बाधाओं का सामना करता रहेगा। देश में रहनेवाले लोग शांति से रहें, एक दूसरे से प्रेमपूर्ण व्यवहार करें ऐसी बच्चे की भावना है।

नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ
बोलो मेरे संग जयहिन्द... जयहिन्द... जयहिन्द
रस्ते पे चलूँगा न डर-डर के,
चाहे मुझे जीना पड़े मर-मर के,
मंजिल से पहले न लूँगा कहीं दम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।
दाहिने - बायें, दाहिने - बायें... थम... नन्हा-मुन्ना ○
धूप में पसीना मैं बहाऊँगा जहाँ,
हरे-हरे खेत लहराएँगे वहाँ,
धरती पे पापी न पाएँगे जनम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।
दाहिने - बायें, दाहिने - बायें... थम... नन्हा-मुन्ना ○
बड़ा हो के देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा
रखूँगा ऊँचा तिरंगा हरदम,

आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।

दाहिने - बायें, दाहिने - बायें... थम... नन्हा-मुन्ना ○

शांति की नगरी है मेरा यह वतन,

सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन।

दुनिया में गिरने नहीं दूँगा कहीं बम,

आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।

दाहिने - बायें, दाहिने - बायें... थम... नन्हा-मुन्ना ○

- शकील बदायुँनी

शब्दार्थ

नन्हा छोटा **धूप** तड़को (गुज़) **राही** मुसाफिर, यात्री **सिपाही** सैनिक **वतन** देश (जन्मभूमि) **मंजिल** लक्ष्य, ध्येय **चलन** व्यवहार, आचरण **दम** साँस **बम** विस्फोटक पदार्थों का बना हुआ गोला **कदम** पैर

मुहावरे

आँखों का तारा बहुत प्यारा

अभ्यास

1. उत्तर दीजिए :

(1) ऐसे कार्य बताओ जो तुम देशसेवा के लिए करना चाहते हो या करते हो।

(2) अगर तुम सिपाही होते तो क्या करते?

(3) एक सैनिक लड़ते-लड़ते घायल हो गया तो वह क्या सोचता होगा?

(4) हम अपने राष्ट्रध्वज को तिरंगा क्यों कहते हैं? इसके रंगों के अर्थ बताओ।

2. इस गीत में बच्चे द्वारा देशसेवा के लिए कुछ काम करने की भावना व्यक्त हुई है। गीत पढ़कर बताओ कि क्या होगा जब–

(1) बच्चा धूप में पसीना बहाएगा–

(2) दुनिया में कहीं बम नहीं गिरेंगे–

(3) बच्चा मंजिल से पहले कहीं दम नहीं लेगा–

(4) धरती पर पापी जन्म नहीं लेंगे–

3. गीत में एक पंक्ति है – 'बोलो मेरे संग जयहिन्द जयहिन्द'। यह एक नारा है जो हम कई अवसरों पर बोलते हैं। सोचो और बताओ –

(1) तुमने यह नारा किस अवसरों पर बोला है?

(2) इस नारे के अलावा आप और कौन–से नारे बोलते हैं?

4. इस गीत में बच्चे ने अपने आपको देश का सिपाही बताया है। तुम भी बड़े होकर कुछ न कुछ बनना चाहते होगे। बताओ –

(1) बड़े होकर तुम क्या बनना चाहते हो?

(2) क्यों बनता चाहते हो?

स्वाध्याय

Y4R6E6

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) धूप में पसीना बहाने से क्या होगा?

(2) दुनिया की आँखों का तारा कौन बनेगा?

(3) नन्हा राही सबको क्या सिखाएगा?

(4) नन्हा राही दुनिया में क्या गिरने नहीं देगा?

(5) देश का सिपाही कौन है?

(6) नन्हा राही रास्ते पर कैसे चलेगा?

2. निम्नलिखित शब्दों का विलोम (विरोधी) शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

आगे	बड़ा	नीचा	छाँव
दायाँ	धूप	पीछे	बायाँ
धरती	ऊँचा	छोटा	आकाश

उदाहरण : आगे X पीछे

उपर्युक्त विलोम शब्द आधारित वाक्य बनाइए।

उदाहरण : सब बच्चे आगे चले जा रहे थे।

कोई भी बच्चा पीछे नहीं रहना चाहता।

3. नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द सामने दिए गए आयत में से ढूँढ़कर लिखिए :

राही _____, _____

सिपाही _____, _____

धरती _____, _____

रास्ता _____, _____

मंजिल _____, _____

फौज़ी, राह,
मुसाफिर, धरा,
पंथ, लक्ष्य,
पृथ्वी, ध्येय,
सैनिक, पंथी,

4. मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

(1) धरती पर पापी जनम नहीं लेंगे।

(2) बच्चे रास्ते पर बिना डरे चल पाएँगे।

(3) मैं देश का सिपाही हूँ।

(4) दुनिया में कहीं भी बम नहीं गिरेगा।

(5) हमारे देश का नाम भारत है।

5. निम्नलिखित भावार्थ से संबंधित पंक्तियाँ कविता में से ढूँढ़कर लिखिए :

(1) नन्हा राही बिना डरे रास्ते पर चलेगा।

(2) नन्हा राही मंजिल पाए बिना दम नहीं लेगा।

(3) नन्हा राही सबका प्यारा बनेगा।

(4) हमारा देश शांतिप्रिय है।

6. उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

(1) लड़के खेल _____। (रहा है, रहे हैं)

(2) _____ क्रिकेट खेलता हूँ। (मैं, हम)

(3) आप कहाँ जा रहे _____? (हैं, है)

(4) _____ किताबों में से आपकी किताब कौन-सी है? (ये, इन)

(5) हम _____। (पढ़ता है, पढ़ते हैं)

7. कविता के आधार पर 'देश' या 'सिपाही' के बारे में पाँच-सात वाक्य लिखिए।

8. इस गीत में बच्चे ने सिपाही बनकर देश की सेवा करने की भावना व्यक्त की है। सोचो, क्या देश की सेवा केवल सिपाही बनकर ही की जा सकती है? बताओ/लिखो देश की सेवा कैसे करते हैं -

(1) किसान (2) शिक्षक (3) खिलाड़ी (4) कलाकार (5) आप

9. शिक्षक द्वारा दाँया(दाहिना) एवं बाँया किसे कहेंगे यह जानें ।

योग्यता-विस्तार

- आप प्रसार भारती के माध्यम से प्रसारित कार्यक्रमों में से देशभक्ति के गीत सुनकर याद करें।
- देशभक्ति के गाने पसंद करके संग्रह कीजिए। दूरदर्शन पर प्रसारित 26 जनवरी या 15 अगस्त के कार्यक्रमों को देखकर चर्चा कीजिए।

4 सोच अपनी-अपनी

W1Y3J3

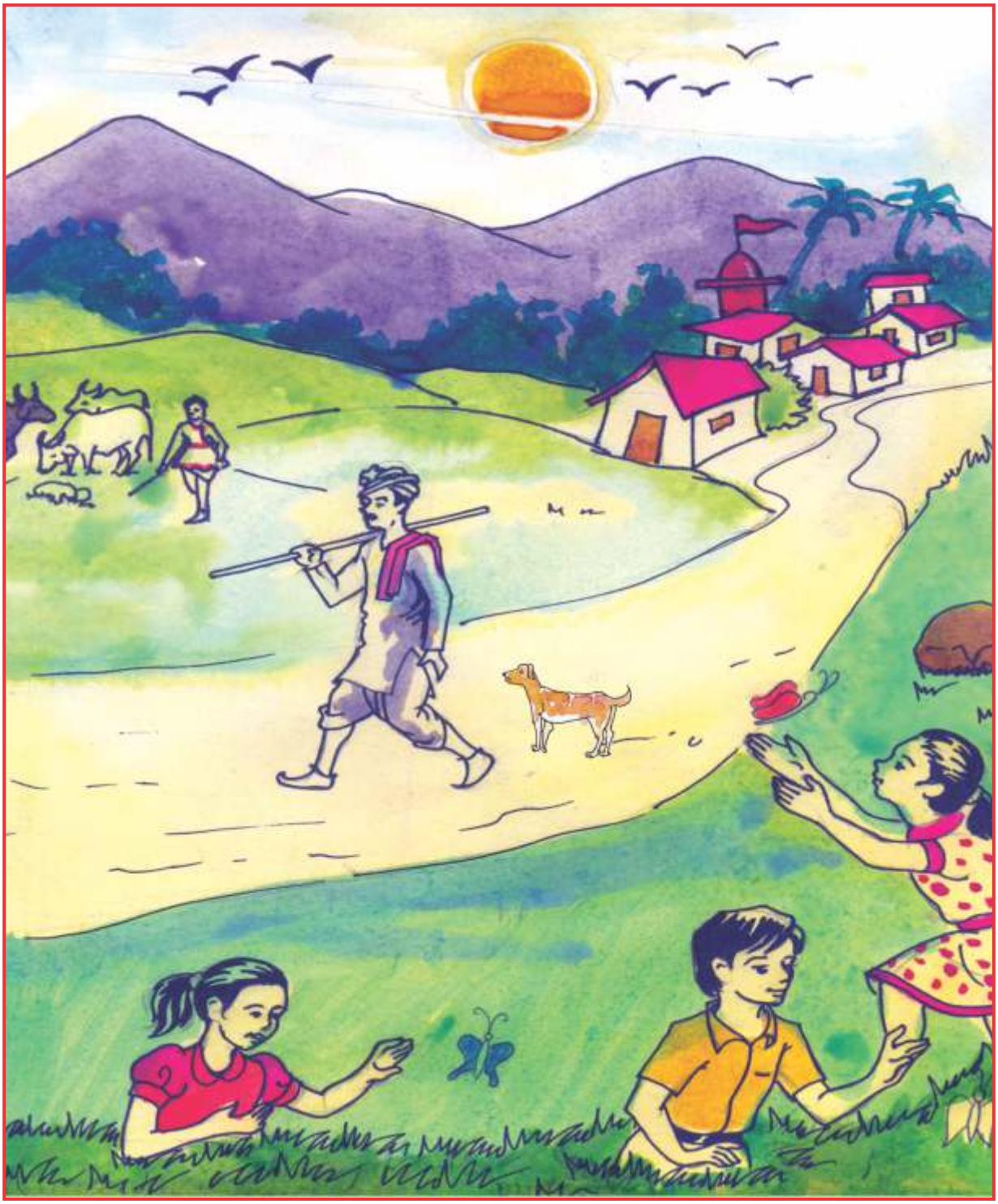

S4Z3F9

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) सूरज निकलने पर पक्षी क्या कर रहे हैं?

(2) चरवाहा क्या कर रहा है?

(3) नारियल के कितने पेड़ हैं?

(4) चित्र में घर कितने हैं?

(5) बच्चे बगीचे में क्या कर रहे हैं?

(6) चरवाहे के हाथ में क्या है?

2. सोचकर बताइए :

(1) चरवाहे क्या सोचते होंगे?

(2) सूरज निकलने पर क्या-क्या होता है?

(3) तुम बगीचे में होते तो क्या करते?

(4) कुत्ता क्या सोच रहा होगा?

(5) तितली उडती क्यो हैं ?

(6) दो या तीन पक्षी साथ-साथ क्यो उड़ते हैं ?

3. चित्र के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

व्यापारी क्या ले जा रहा है ?

व्यापारी टोकरी कहाँ रखता है ?

पेड़ के ऊपर कौन है ?

बंदरों ने टोपियों का क्या किया ?

व्यापारी ने क्या किया ?

बंदरों ने टोपियाँ क्यों फेंक दी ?

व्यापारी क्या कर रहा है ?

4. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए :

पुनरावर्तन 1

1. निम्नलिखित संख्या के शब्दों को ढूँढ़कर, नीचे क्रम में लिखिए :

(२६, २५, ४५, २२, २३, ३६, ४४, ४६, ३१, ३०, ३२, ४१)

छ	त्ती	स	छि	प	च्ची	स
ब्बी	या	ती	या	इ	इ	झ
स	स	बी	ली	क	क	ब
च	वा	ली	स	ता	ती	त्ती
तैं	क	पैं	ता	ली	स	स
चा	सै	बा	ई	स	छ	ज
ते	ई	स	स	र	म	च

(1) _____ (7) _____

(2) _____ (8) _____

(3) _____ (9) _____

(4) _____ (10) _____

(5) _____ (11) _____

(6) _____ (12) _____

2. ऊपर आपने जो शब्द लिखे उनका उच्चारण कीजिए।

3. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर कहानी पूर्ण कीजिए। कहानी पूरी करने में दिए गए शब्दों की मदद ले सकते हैं :

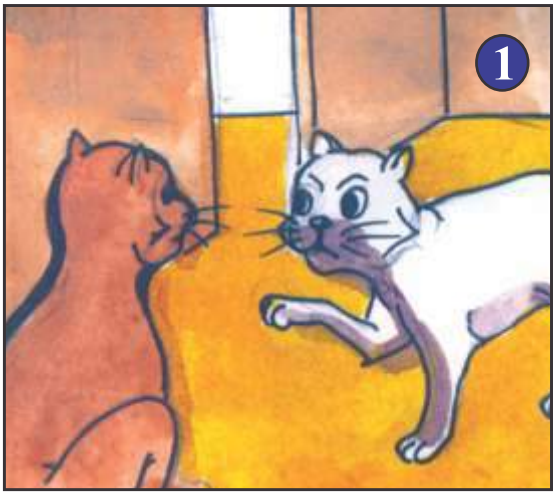

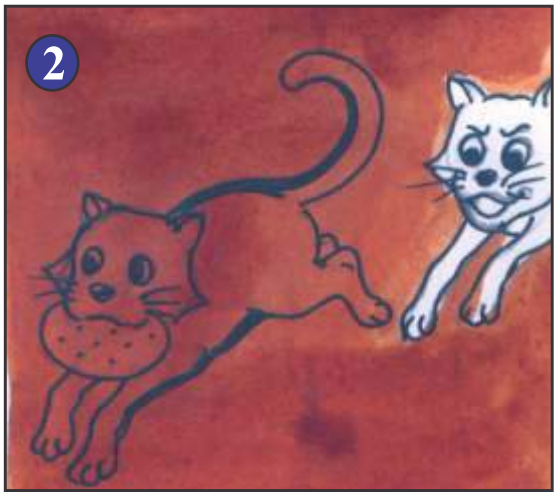

¤ सही विकल्प चुनकर 'बंदर बाँट' कहानी लिखिए :

सफेद, काली, बंदर, झगड़ने, भारी, सारी, दो, रोटी, भूख, तराजू, टुकड़ा, पछतावा, हलका

एक बार की बात है। दो बिल्लियाँ थीं। एक _____ और एक _____। दोनों को _____ लगी। उन्हें एक _____ मिली। वे एक रोटी के लिए _____ लगीं। इतने में एक _____ आया। वह _____ लाया। उसने रोटी के _____ टुकड़े किए। उसने टुकड़े _____ में रख दिए। तराजू का एक पलड़ा _____ था। तो दूसरा _____। उसने भारी पलड़े के टुकड़े में से थोड़ा-सा _____ तोड़कर खा लिया। इस तरह उसने _____ रोटी खा ली। दोनों बिल्लियों को बहुत _____ हुआ।

4. अपनी पाठशाला के बारे में दस से बारह वाक्य बोलिए।

5. आपको पाठशाला में -

(1) क्या - क्या पसंद है...? (2) क्या नापसंद है...?

5 चिड़ियाघर की सैर

U5P3W6

इस इकाई में चिड़ियाघर के कुछ जानवरों के बारे में बताया गया है।

कल गीता अपने दादा जी के साथ चिड़ियाघर गई थी। उसने देखा कि के पिंजरे के पास बहुत भीड़ थी। शेर गरजा तो सब डरकर पीछे हट गए। सामने लोग को और खिला रहे थे। दादा जी ने कहा – देखो, वह लिखा है – चिड़ियाघर के जानवरों को खाना देना मना है। गीता बोल उठी, ''दादा जी ! वह देखिए काले मुँह का बंदर।'' दादा जी हँस पड़े और बोले, बिटिया वह है। लंगूर का मुँह काला होता है। एक जगह दिखाई दिया जिसकी नाक पर बड़ा–सा सींग था। साथ वाले बाड़े में लंबी गरदन वाला धीरे–धीरे टहल रहा था। गीता दादा जी को खींचते हुए आगे ले गई। वहाँ दो पैरों पर खड़ा था। एक तालाब में रंग–बिरंगी और तैर रही थीं। गीता ने दादा जी को दूसरी ओर इशारा करके दिखाते हुए कहा ''दादा जी, दादा जी ! वह देखिए पत्थर चल रहा है।'' दादा जी उसे समझाते हुए बोले–''बिटिया, यह है। जब इसे डर लगता है तो वह अपनी गरदन और हाथ–पैर अपने खोल में छिपा लेता है। खोल इसका रक्षक है।'' गीता दौड़कर आगे गई। एक बड़े तालाब में तैर रहे थे। जैसे ही एक ने मुँह खोला, गीता ने डरकर दादा जी का हाथ पकड़ लिया। कुछ और आगे एक बड़ा– सा पिंजरा था। उसमें बहुत–सी थीं। गीता ने खुशी से ताली बजाई और कहा – वह देखो हरियल । दादा जी ने कहा – ''हाँ और उधर देखो वह सफेद वाला विदेशी है, इसे कातुआ कहते हैं। गीता चहककर बोली, दादा जी कुछ चिड़ियाँ तो हमारे घर के पास भी दिखाई देती हैं जैसे । पिछले साल पिकनिक पर हमने बाग में नाचता हुआ भी देखा था। दादा जी ने गीता को बताया कि सबसे बड़ा पक्षी होता है। वह देखो शुतुरमुर्ग पेड़ की छाया में खड़ा है।

चिड़ियाघर में और की सवारी भी कर सकते हैं। सामने का एक ठेला था। दादा जी ने अपनी टिकाई और गीता के लिए खरीदी। अब तक दोनों थक चुके थे। वे चिड़ियाघर के से बाहर आए। पकड़ी और अपने घर आ गए।

शब्दार्थ

चिड़ियाघर वह जगह जहाँ पशु-पक्षी देखने के लिए रखे जाते हैं **बाड़ा** घिरा हुआ स्थान **खोल** कछुए के ऊपर का सख्त भाग **लंगूर** एक विशेष प्रकार का बंदर जिसका मुँह काला तथा पूँछ लम्बी होती है **हरियल** हरे रंग वाला

अभ्यास

1. ऊँची आवाज़ में पढ़िए :

(1) (क्ष) रक्षक रक्षा पक्षी

(2) (त्र) पत्र नेत्र पुत्र

(3) (ज्ञ) आज्ञा ज्ञान प्रज्ञा

(4) (श्र) श्रम परिश्रम विश्राम

2. पढ़िए और लिखिए :

(1) मक्खन _____ मक्खी _____ (क्ख)

(2) मच्छर _____ मगरमच्छ _____ (च्छ)

(3) चिट्ठी _____ गट्ठर _____ (ट्ठ)

3. निम्नलिखित अंश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कुछ अजब, कुछ गजब

● अगर आप कभी गौर करेंगे तो आपको पता चलेगा कि छोटे बच्चे अपनी पलकों को एक मिनट में औसतन एक से दो बार झपकाते हैं, जबकि वयस्कों में यही संख्या करीब 10 होती है। ● हमारे शरीर को एक वक्त का खाना पचाने या हजम करने में करीब 12 घंटों का समय लगता है। ● क्या आपको पता है कि हमारे यानी मानव शरीर में नाक व कान दो ऐसे अंग हैं जिनका आकार पूरे जीवनकाल तक बढ़ता ही रहता है।

(1) छोटे बच्चे और वयस्कों की पलकें झपकने में क्या अंतर है?

(2) हमारे शरीर को कौन-सा कार्य करने में 12 घंटे लगते हैं?

(3) शरीर के ऐसे कौन-से दो अंग हैं जो पूरे जीवनकाल तक बढ़ते रहते हैं?

4. कोई बहुत धीरे चलता है तो लोग कहते हैं यह कछुए की चाल चल रहा है। अब तुम बताओ कि तेज चाल चलनेवाले को क्या कहेंगे ?

5. चिड़ियाघर में जाकर क्या-क्या नहीं करना चाहिए ?

स्वाध्याय

J7P7A1

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) चिड़ियाघर की सैर के लिए कौन-कौन आए थे?

(2) बंदर को लोग क्या खिला रहे थे?

(3) लंगूर का मुँह कैसा होता है?

(4) तालाब में क्या था?

(5) गीता ने किसे पत्थर बताया?

(6) कछुए का रक्षक क्या है?

(7) विदेशी पक्षी का नाम क्या था?

(8) सबसे बड़े पक्षी का नाम लिखिए ?

2. उदाहरण के अनुसार रेखांकित शब्दों की जगह उचित शब्द रखकर वाक्य पूरा कीजिए :

उदाहरण : पेड़ पर बंदर लटक रहा है। — पेड़ पर बंदरिया लटक रही है।

(1) तालाब में हाथी नहा रहा है। — तालाब में _____ नहा रही है।

(2) रेगिस्तान में ऊँट दौड़ रहा है। — रेगिस्तान में _____ दौड़ रही है।

(3) जंगल में मोरनी नाच रही है। — जंगल में _____ नाच रहा है।

(4) पिंजरे में शेर दहाड़ रहा है। — पिंजरे में _____ दहाड़ रही है।

3. नीचे दिए गए जंगल के दृश्य का वर्णन कीजिए :

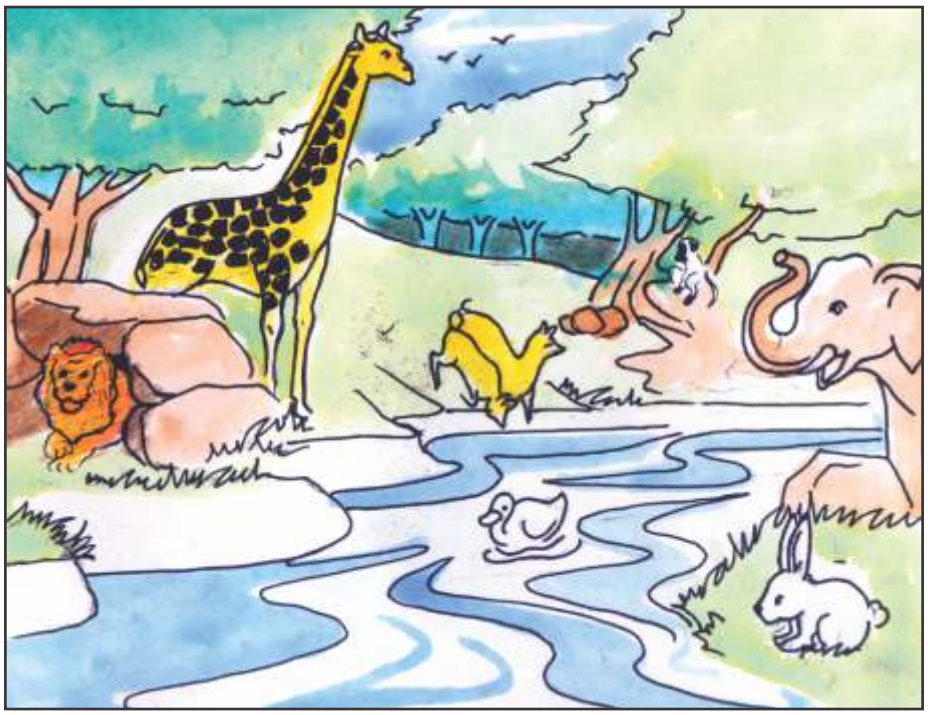

4. चित्र के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(1) _____ जोर से गरजा।

(2) चिड़ियाघर में एक सींगवाला _____ था।

(3) तालाब में _____ तैर रही थी।

(4) हरियल _____ टें-टें करता था।

5. चित्र पहचानकर आयत में से उसका हिन्दी नाम ढूँढ़कर लिखिए :

	________	गैंडा		________	गौरैया
	________	केला		________	हाथी
	________	शेर		________	मोर
	________	भालू		________	तोता
	________	मछली		________	मगर
	________	मूँगफली		________	शुतुरमुर्ग

भाषा-सज्जता

शब्दकोश में शब्दों को एक निश्चित क्रम में रखा जाता है। शब्दकोश में शब्दों को ढूँढ़ने का तरीका आगे दिया गया है।

शब्दकोश में हिन्दी वर्णमाला का क्रम :

स्वर : अं, अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ... के बाद

व्यंजन : क, ख, ग, घ, च, छ, ज, ज्ञ, झ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त-त्र, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह

कुछ खास बातें

मानो तुम्हें 'क' वर्ण से शुरू होने वाले शब्द ढूँढ़ना है, शब्दकोश में उनका क्रम इस प्रकार होगा :

कंगाल, कपूर, कारावास, किलकारी, कीर्ति, कुदाल, कूप, कृषि, केंद्र, केतकी, कैदी, कोरा, कौतुक, क्या, क्रम, क्षमा

व्याकरण की दृष्टि से कोई शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि भेदों में से किस भेद का है, इसकी सूचना आपको इन संकेताक्षरों से मिलेगी। यहाँ जो संकेताक्षर अथवा संक्षिप्त रूप प्रयुक्त हुए हैं, वे इस प्रकार हैं –

पु.	–	पुल्लिंग	स.	–	सर्वनाम
स्त्री.	–	स्त्रीलिंग	वि.	–	विशेषण
क्रि.	–	क्रिया	अ.	–	अव्यय
क्रि.वि.	–	क्रिया विशेषण	क्रि.स.	–	क्रिया सकर्मक
सं.	–	संज्ञा	अं.	–	अंग्रेजी

योग्यता-विस्तार

शेर
(સિંહ)

मछली
(માછલી)

काकातुआ
(કાકા કૌઆ)

बंदर
(વાંદરો)

बतख
(બતક)

मोर
(મોર)

गैंडा
(ગેંડો)

कछुआ
(કાચબો)

शुतुरमुर्ग
(શાહમૃગ)

जिराफ़
(જિરાફ)

मगर
(મગર)

हाथी
(હાથી)

भालू
(રીંછ)

तोता
(પોપટ)

ऊँट
(ઊંટ)

H6Z6T4

6 हँसी का पिटारा

जीवन में हास्य का बहुत ही महत्त्व है। हास्य जीवन में दु:ख को भुलाकर नयी उमंग भर देता है। हँसने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

(1)

बेटा देखना गेहूँ सूख रहा है।
कहीं गाय न खा जाए।

अरे ! अरे ! गधा गेहूँ खा रहा है
और तुम उसे हटा नहीं रहे हो।

आपने तो गाय को हटाने को
कहा था।... यह तो गधा है।

(2) दो दोस्त हिन्दी व्याकरण की तैयारी कर रहे थे।
पहला दोस्त : दीपक मिठाई नहीं खाता। इसमें 'दीपक' क्या है?
दूसरा दोस्त : मूर्ख।

(3) मालिक : (नौकर से) तू कोई भी काम करने से पहले मुझसे पूछ लिया कर।
नौकर (थोड़ी देर बाद) : मालिक ! रसोईघर में बिल्ली दूध पी रही है,
क्या मैं उसे भगा दूँ?

(4) एक आदमी दुकानदार के पास जाकर बोला : जनाब, कुत्ते का बिस्कुट मिलेगा?
दुकानदार बोला : "यहीं खाओगे या घर ले जाओगे?"

(5) रामू (श्यामू को देखकर) : क्यों बे गधे को लेकर कहाँ जा रहा है?
श्यामू : मूर्ख हो क्या ? यह गधा नहीं, कुत्ता है।
रामू : मैं कुत्ते से ही पूछ रहा हूँ।

R1B7R9

अभ्यास

1. बच्चों को अपना मनपसंद चुटकुला सुनाने के लिए कहें और प्रोत्साहित करें।

2. पत्रिका में से चुटकुले खोजकर पढ़िए।

3. निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

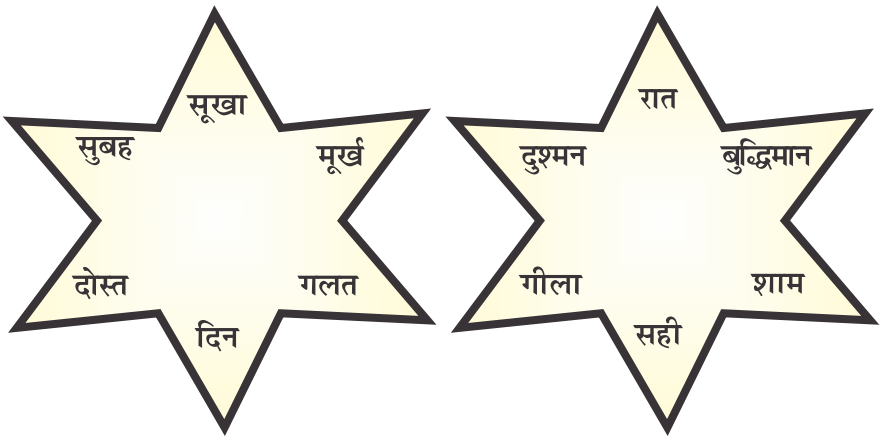

उदाहरण : गलत × सही

¤ **उपर्युक्त विलोम शब्दों पर आधारित वाक्य बनाइए।**

उदाहरण : मैंने सोचा उत्तर सही होगा लेकिन वह गलत था।

4. इन्हें और क्या कहते हैं, छाँटकर लिखिए :

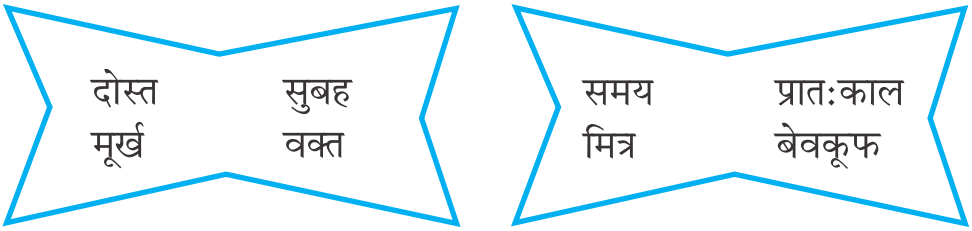

उदाहरण : दोस्त – मित्र

5. उपर्युक्त समानार्थी शब्द आधारित वाक्य बनाइए।

उदाहरण : राजा और कालिदास अच्छे **दोस्त** थे।

राजा और कालिदास अच्छे **मित्र** थे।

7 खाना खज़ाना (चित्रपाठ)

A1G5S1

अभ्यास

1. चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) माता रसोईघर में क्या कर रही हैं?

(2) दादीमाँ क्या कर रही हैं?

(3) लड़का क्या कर रहा है?

(4) रसोईघर में कौन-कौन से बर्तन हैं?

(5) टोकरी में कौन-सी सब्जियाँ और कौन से फल हैं?

(6) खिड़की से बाहर क्या दिखाई दे रहा है?

(7) आलमारी के डिब्बे में क्या-क्या है?

(8) आपके रसोईघर में क्या-क्या है जो इस रसोईघर में नहीं है?

(9) माता कहाँ बैठी हैं ?

2. क्या पसंद है, क्या नहीं ? योग्य खाने में ✔ का निशान करो :

चीज का चित्र	नाम लिखो	मजे से खाएँगे	खाना पड़ेगा	बिल्कुल नहीं खाएँगे

3. तुमने अपने रसोईघर में माँ या पिताजी को खाना पकाते हुए देखा होगा।
जरा बताओ तो, कैसे बनता है –

(1) बेसन से पकौड़ा

(2) गेहूँ से रोटी

(3) दूध से चाय

4. चित्र में माँ को खाना बनाते हुए दिखाया गया है। क्या खाना बनाना केवल माँ का ही काम है ? नहीं, तो बताओ और कौन-कौन खाना बना सकते हैं?

5. नीचे दिए गए चित्र को देखकर कहानी बनाइए :

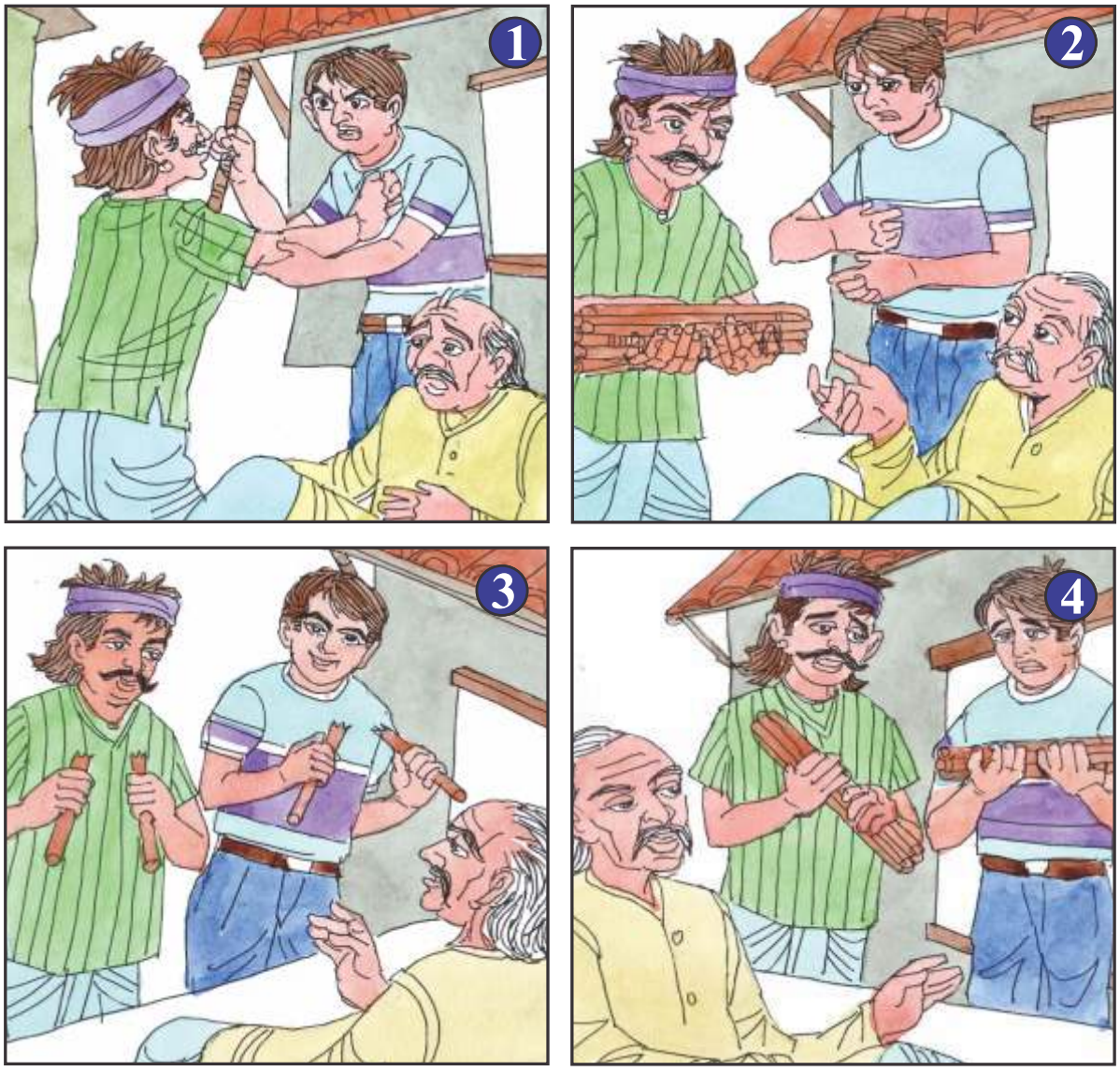

J9S9N7

स्वाध्याय

1. दोनों चित्र ध्यान से देखिए चित्र में दस अंतर हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए और चित्र में मनचाहा रंग भरिए :

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए :

उदाहरण

- लड़का – लड़का स्कूल जा रहा है।
- लड़के – लड़के स्कूल जा रहे हैं।
- पुस्तक – _____
- _____ – _____
- कमरा – _____
- _____ – _____
- पंखा – _____
- _____ – _____

योग्यता-विस्तार

इतना जानिए

फल के नाम

चीकू	–	ચીકુ	नारियल	–	નારિયેળ
नारंगी	–	નારંગી	फालसा	–	ફાલસા
संतरा	–	સંતરા	शरीफ़ा	–	સીતાફળ
अंगूर	–	દ્રાક્ષ	अनानास	–	અનાનસ
अमरूद	–	જમરૂખ	अनार	–	દાડમ
आम	–	કેરી	ईख(गन्ना)	–	શેરડી
केला	–	કેળું	खरबूजा	–	સકરટેટી
खिरनी	–	રાયણ	आरिया	–	ચીભડું
जामुन	–	જાંબુ	तरबूज	–	તરબૂચ

अनाज के नाम

उड़द	–	અડદ	अरहर, तुअर	–	તુવેર
ज्वार	–	જુવાર	चना	–	ચણા
चावल	–	ચોખા	मक्का	–	મકાઈ
बाजरा	–	બાજરી	मूँग	–	મગ
मटर	–	વટાણા			

सब्जी के नाम

अरवी	–	અળવી
कंकोड़ा	–	કંકોડા
फूलगोभी	–	ફુલેવર
लौकी	–	દૂધી
टमाटर	–	ટામેટાં
तुरई, तोरई	–	તૂરિયું
पालक	–	પાલક
प्याज	–	કાંદા, ડુંગળી
बैंगन	–	રીંગણ
मटर	–	વટાણા
रतालू	–	રતાળું
अदरक	–	આદું
शकरकंद	–	શક્કરિયું
जमीकंद, सूरन	–	સૂરણ
करेला	–	કારેલાં
कुम्हड़ा, कद्दू	–	કોળું
गाजर	–	ગાજર
ग्वारफली	–	ગુવારશીંગ
चचरीड़ा, कुनरु	–	ટીંડોળાં
आलू	–	બટાકા
परवल	–	પરવળ
पुदीना	–	ફુદીનો
बंदगोभी	–	કોબીજ
भिंडी	–	ભીંડો
मूली	–	મૂળો

8 भरत मिलाप

माता-पिता की आज्ञा का पालन करने हेतु राम वन में गए। उनके साथ सीता भी गईं। भरत को इस बात का पता चलने पर वे अयोध्या के सिंहासन पर नहीं बैठे, अपितु सिंहासन पर राम की खड़ाऊँ रखकर उन्होंने सेवक की भाँति राजकाज किया। इसलिए कहा है – भाई हो तो भरत जैसा।

(वन का एक भाग। कुटिया के बाहर राम और सीता बैठे हुए हैं। पास ही धनुष-बाण लिए लक्ष्मण खड़े हैं।)

दृश्य 1

राम : भाई लक्ष्मण, जरा देखो तो यह आवाज़ कहाँ से आ रही है?

लक्ष्मण : (इधर-उधर देखकर) प्रभु, सामने से कुछ लोग आते दिखाई दे रहे हैं।

राम : कौन लोग हैं? जरा ध्यान से देखो।

लक्ष्मण : (ध्यान से देखकर) अरे, यह तो भरत है। साथ ही बहुत से लोग हैं। हमें सावधान हो जाना चाहिए। शायद वे लोग लड़ने के लिए आ रहे हैं।

राम : (हँसते हुए) भाई लक्ष्मण, तुम तो बिना बात शक करने लगते हो। इतने वर्ष साथ रहकर भी भरत को नहीं पहचाना?

लक्ष्मण : (उत्तेजित होकर) पहचाना क्यों नहीं, उसी माँ का तो बेटा है, जिसने वनवास दिलाया।

सीता : इसमें बेचारे भरत का क्या दोष?

लक्ष्मण : लीजिए, सब लोग इधर ही आ रहे हैं!

दृश्य 2

(भरत दौड़ते हुए कुटिया के निकट आते हैं। उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं। वे राम के चरणों में पड़ते हैं। राम भरत को उठाकर गले लगा लेते हैं।)

भरत : (रोते हुए) मुझे क्षमा कीजिए प्रभु ! आपको वनवास दिलाने में मेरा कोई हाथ नहीं। आप मुझसे बड़े हैं। आप ही को राजा बनना चाहिए। मैं आपको लेने आया हूँ। आप सब अयोध्या चलिए। इन नगरवासियों की भी यही इच्छा है। निराश न कीजिए, प्रभु!

राम : भाई भरत, मैं तुम्हारा प्रेम देखकर प्रसन्न हूँ । किन्तु मैं माता-पिता की आज्ञा का पालन करने हेतु वन में आया हूँ। वनवास पूरा करके ही लौटूँगा।

एक नागरिक: नहीं, प्रभु, आपको हमारे साथ चलना ही होगा। आपके बिना प्रजा दु:खी है। प्रजा को सुखी रखना राजा का कर्तव्य है।

राम : नगरजनो, इस समय माता-पिता की आज्ञा का पालन करना मेरा सबसे बड़ा कर्तव्य है। भरत मेरा भाई है। जब तक मैं वनवास पूरा करके न लौटूँ तब तक भाई भरत आप सबके सुख-दु:ख का ध्यान रखेगा। आप उसे राजा मानें, यह मेरा आदेश है।

भरत : (कुछ सोचकर) अच्छा, प्रभु, जैसी आपकी आज्ञा, पर मेरी एक विनती है, उसे स्वीकार करें।

राम : बोलो, क्या चाहते हो?

भरत : मुझे आप अपने पाँव की खड़ाऊँ दे दें।

राम : खड़ाऊँ ! खड़ाऊँ का क्या करोगे?

भरत : इन्हें सिंहासन पर रखकर, आपके लौटने तक सेवक की तरह राज-काज करूँगा।

(भरत का प्रेम देखकर राम, सीता और लक्ष्मण गद्‌गद हो जाते हैं। रामचंद्र आगे बढ़कर भरत को गले लगाते हैं। खड़ाऊँ लेकर भरत तथा नगरजन राम और भरत की जय बोलते हुए विदा होते हैं।)

शब्दार्थ

कुटिया झोंपड़ी **शायद** कदाचित **शक** शंका **निकट** नजदीक **चरण** पैर **दोष** अपराध **कर्तव्य** फर्ज **आदेश** हुक्म, आज्ञा **खड़ाऊँ** लकड़ी की बनी पादुका

मुहावरे

उत्तेजित होना गुस्सा होना **गले लगाना** प्यार से मिलना **गद्‌गद होना** पुलकित होना, आनंदित होना

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) भरत को आते हुए देखकर लक्ष्मण को क्या शंका हुई?

(2) राम को देखकर भरत ने क्या किया?

(3) राम अपना वनवास क्यों पूरा करना चाहते हैं?

(4) राम ने नगरजनों से क्या कहा?

(5) भरत की जगह आप होते तो क्या करते?

2. कोई रेपर यहाँ चिपकाइए और दिए गए रेपर को देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) यह किसका रेपर है?

(2) इस रेपर पर क्या कीमत छपी हुई है?

(3) इसका पैकिंग कब हुआ है?

(4) इसका उपयोग कब तक कर लेना चाहिए?

(5) इसके अलावा रेपर में और कौन-सी उपयोगी बातें छपी हैं?

3. नीचे दिए गए कोष्ठक में से सही संकेत चुनकर लिखिए :

(रेलवे क्रॉसिंग अरक्षित, हॉस्पिटल, पैदलयात्री क्रॉसिंग, साइकिल क्रॉसिंग)

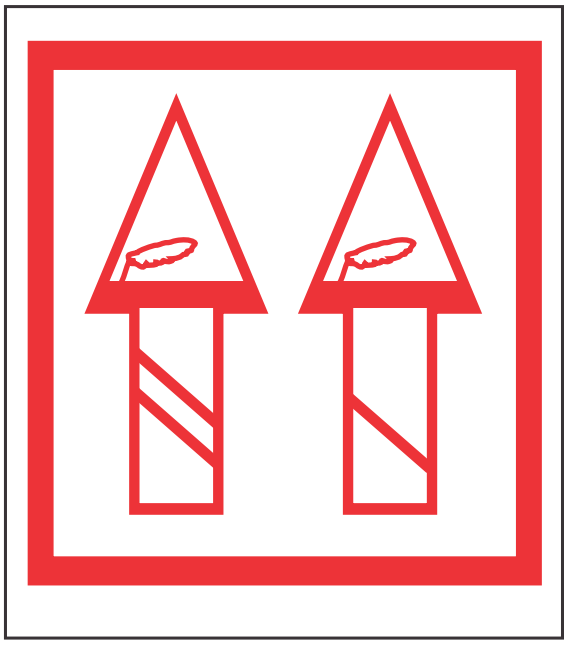

4. ऊँची आवाज़ में पढ़िए और लिखिए :

लक्ष्मण, उपेक्षित, क्षमा, अयोध्या, इच्छा, प्रजा, कर्तव्य, ध्यान, प्रभु, इन्हें

स्वाध्याय

B3G3H8

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) राम, सीता और लक्ष्मण कहाँ गए?

(2) राम ने नगरजनों को क्या समझाया?

(3) राम ने भरत को क्या दिया?

(4) भरत ने खड़ाऊँ लेकर क्या करने का सोचा?

(5) आप अपने भाई के साथ कैसा बरताव करते हैं?

2. नीचे दिए गए वाक्यों में 'में' या 'मैं' लगाकर वाक्य पूरा कीजिए :

(1) रोटी को देख बिल्ली के मुँह _____ पानी आ गया।

(2) _____ तुझे रोटी न ले जाने दूँगी।

(3) _____ कहती हूँ कि यह रोटी मेरी है।

(4) दोनों बिल्लयों _____ झगड़ा हो गया।

(5) रोटी लेने पहले _____ झपटी थी।

3. जल, थल और पेड़ों पर रहनेवाले पशु-पक्षियों के नाम अलग-अलग लिखिए :

जल में रहनेवाले	थल पर रहनेवाले	पेड़ों पर रहनेवाले

भाषा-सज्जता

अभ्यास : 1

(1) अपना नाम लिखिए : _____

(2) अपने गाँव / शहर का नाम लिखिए : _____

(3) अपने दोस्तों के नाम लिखिए :

_____, _____, _____

(4) किन्हीं चार नदियों के नाम लिखिए :

_____, _____, _____

(5) किन्हीं तीन पर्वतों के नाम लिखिए :

_____, _____, _____

आपने जो उपर्युक्त नाम लिखे हैं, उसे संज्ञा (Noun) कहते हैं। किसी भी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

सोचो और लिखो, आपके आसपास और क्या-क्या चीजें हैं ? जो 'संज्ञा' हैं।

अभ्यास : 2

1. उचित जोड़े बनाइए :

	अ		ब
(1)	महेश	–	पुस्तक
(2)	हिमालय	–	लड़का
(3)	गंगा	–	पर्वत
(4)	रामायण	–	देश
(5)	भारत	–	नदी

विभाग 'अ' में निर्देशित शब्द – महेश, हिमालय, गंगा, रामायण और भारत नाम निर्देश करते हैं। तथा 'ब' विभागवाले शब्द उनकी जाति का निर्देश करते हैं। अत: ये सभी शब्द 'संज्ञा' हैं।

योग्यता-विस्तार

- छात्रों को रामायण के अन्य प्रसंग सुनाइए।
- रामायण के पात्रों की सूची बनाइए।
- रामायण के कौन-से पात्र आपको पसंद आए और कौन से नहीं चर्चा कीजिए।

पुनरावर्तन:2

1. चित्र के आधार पर कहानी बनाकर वर्ग में सुनाइए :

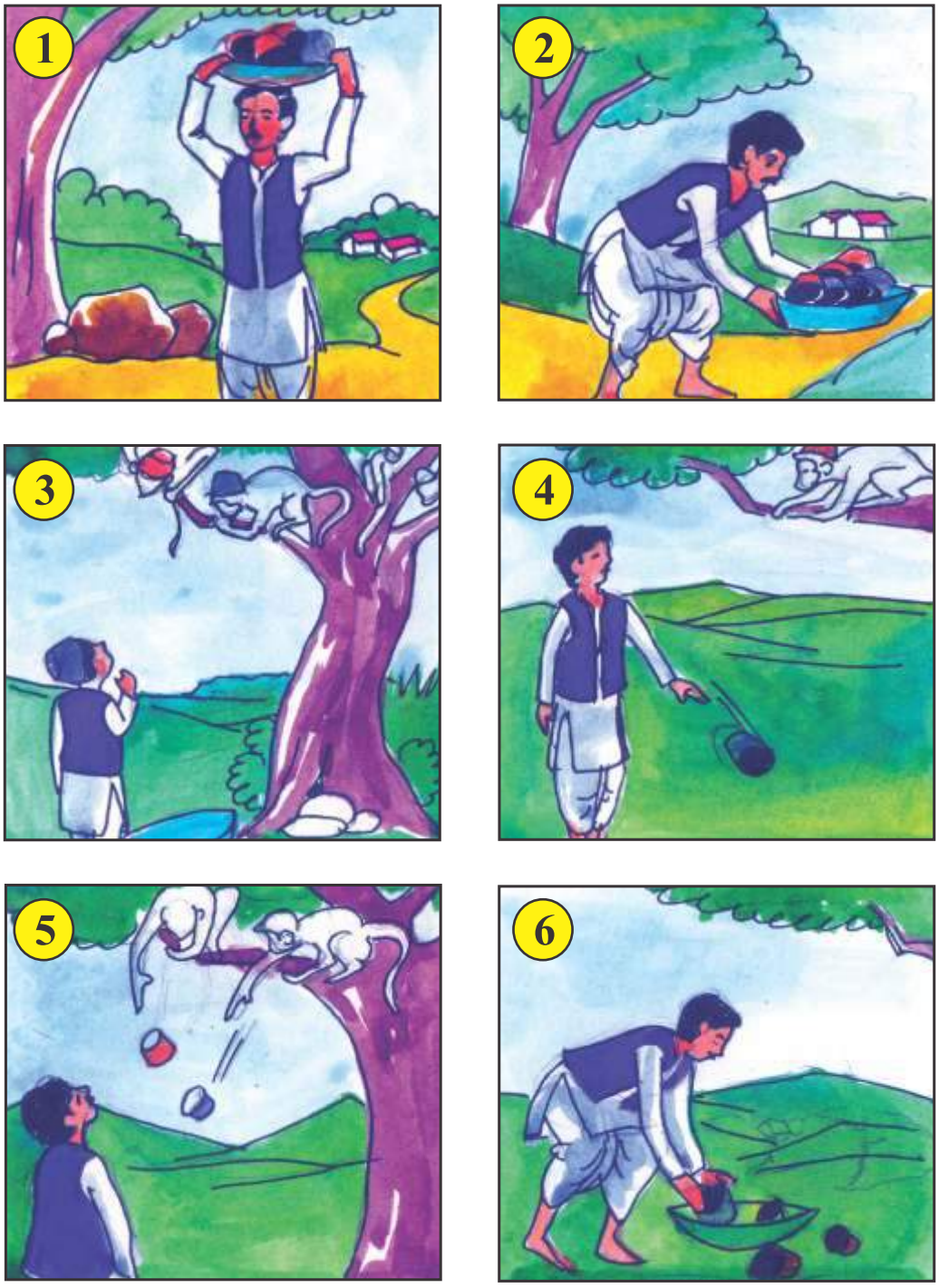

2. दिए गए शब्दों को शब्दकोश के क्रम में रखिए :

साँई, साधु, सार, संपत्ति, साहस, सत्यव्रत, संजोग

_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____
_____	_____	_____	_____

3. पढ़िए और लिखिए :

- सिद्धार्थ _____
- मक्खन _____
- मच्छर _____
- शुद्ध _____
- द्वार _____
- उद्देश्य _____

- अच्छा _____
- चिट्ठी _____
- मक्खी _____
- चिह्न _____
- ख्याति _____
- मिट्टी _____

4. समझकर लिखिए (लिंग पहचान)।

1.		———		सेठानी
2.		पुरुष		———
3.		———		लड़की
4.		ग्वाला		———

5. वचन परिवर्तन कीजिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) पत्ता _____

_____

(2) _____ गुब्बारे

_____

(3) टोपी _____

_____

(4) _____ केले

_____

6. अधूरे वाक्य पूर्ण कीजिए :

(1) बच्चे खेल _____ । (रहा है, रहे हैं)

(2) _____ दौड़ रहा है। (घोड़ा, घोड़े)

(3) ये _____ । (राजा है, राजा हैं)

(4) _____ जा रहा हूँ। (मैं, हम)

(5) हम _____ । (खेल रहा है, खेल रहे हैं)

(6) _____ किताबों में रामायण नहीं है। (ये, इन)

(7) _____ लड़के ने लड्डू दिया। (वह, उस)

(8) हम कबड्डी खेलने _____ । (जाएँगे, जाऊँगा)